



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

20 पृष्ठीय

2022

विशेष नोट :- सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓
केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
Sanskrit	5	1	2	English Medium

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

संरल क्रमांक

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	2	3	1	2	9	4	8	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---

शब्दों में

One	Two	Three	One	Two	Nine	Four	Eight	Zero
-----	-----	-------	-----	-----	------	------	-------	------

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग - परीक्षा की दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 201..

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें		
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें		
प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

www.oddindia.com

ST-16MA



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं - 1
रिक्तस्थानानि पूरयत :-उत्तराणि :-

- (क) ल्यप
(ख) तुमुन
(ग) क्तवतु
(घ) टाप
(ङ) विशालः
(च) गीतामि
(छ) चतुरः

P
B
S
Eप्रश्न क्रं - 2
रुक्पदेन उत्तर :-

- (क) जलम
(ख) रसालम
(ग) भानवाय
(घ) शुद्धम
(ङ) बुद्धिः
(च) आलसस्य
(छ) विद्याधनम



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं - 3

उचित विकल्प चित्वा लिखत:-

उत्तराणि :-

(क) (ii) बहुवचनम्

(ख) (iii) पञ्चमी

(ग) (i) चतुर्थी

(घ) (ii) द्वितीया

(ङ) (ii) प्र

(च) (iii) परा

M
P
B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 4

आम अथवा न

(क) आम

(ख) न

(ग) आम

(घ) न

(ङ) न

(च) आम



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र - 5

युग्मसमेलनं कुरुत -

(अ)

(ब)

(i) अनुरूपम्

अत्ययी मातः

(ii) चौरात भयम्

पञ्चमी तत्पुरुषः

(iii) पञ्चवटी

द्विगु तत्पुरुष समास

(iv) सज्जनः

सत + जनः

(v) मनः + रथः

मनोरथः

(vi) गण + ईशः

गणेशः

M

P

P

S

E

प्रश्न 6 का उत्तर (अथवा)

बुद्धिमती पुत्रवदयोपेता पितुर्गृहं प्रति
चलिता ।

प्रश्न 7 का उत्तर

शरीरायासजननं कर्म व्यायामसंज्ञितम् कथ्यते ।

प्रश्न 8 का उत्तर (अथवा)

श्रुमौ पतिते स्वपुत्रं दृष्ट्वा माता सुरभिः
अश्रूणि मुञ्चति स्म ।

प्रश्न 9 का उत्तर

यदि राजा सम्यक् न भवति तदा प्रजा
जलथो अकर्णधारा नो इव विप्लवेत ।



प्रश्न क्र.

प्रश्न 10 का उत्तर - (अथवा)
निर्धनः जनः अर्थश्रेयः पीडितः
वसयानं विहाय पदातिः गच्छति।

प्रश्न 11 का उत्तर - (अथवा)
भूकम्पस्य केन्द्र बिन्दुः कच्छजनपदः आसीत्।

प्रश्न क्रं 12
वाच्यपरिवर्तनं कुरुत -

उत्तर:-

(क) बलवान् विरुद्धमपि शौजनं पचति।

(ख)

(ग) लता गीतं गायति।

प्रश्न क्रं - 13

कः कं प्रति कथयति:-

कः

कम्

(ख)

व्याघ्र

जम्बुकम्

(ग)

बुद्धिसति

जम्बुकम्

प्रश्न क्रं - 14

प्रश्ननिर्माणं

उत्तर:-

(क) कस्य आयासजननं कर्म व्यायामः इति कथयते

(ग) केषाम् सुविश्वतता व्यायामेन संभवति



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं - 15

अशुद्ध कारक वाक्यानां शुद्धिः।

उत्तर:-

(क) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

(घ) शिवाय नमः।

प्रश्न क्रं - 16

गाद्यांशम्

उत्तर:-

(कं) वनस्य दृश्यां समीपे खर्वका नदी वहति।

(॥) एकः सिंहः सुखेन विश्रम्यति।

(॥) एकः वानरः सिंहस्य पुच्छं धुनाति।

प्रश्न क्रं - 17

नीपद्यांशं (अथवा)

उत्तर:-

(क) गुणी गुणं वेत्ति।

(॥) बली बलं वेत्ति।

(॥) सिंहस्य बलं मूषकः न जानाति।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं - 18

वाक्यानि व्यटनाक्रमानुसारेण लिखत:-

- (ख) बुद्धिमती पुत्रवदयेन उपेता पितुर्गृहं प्रति चलिता ।
 (ग) मार्गे सा रुकं व्याघ्रमपश्यत् ।
 (क) व्याघ्रं दृष्ट्वा सा पुत्रौ ताडयन्ती उवाच -
 अधुना रुकमेव व्याघ्रः विभज्य भुज्यताम् ।

प्रश्न क्रं - 19

रिक्तस्थान पूरत:-

- (iv) भृशम्
 (v) अपि
 (vi) बहिः

प्रश्न क्रं - 20

श्लोकं लिखत:-

- ① सैवित्यौ महावृक्षा फलच्छायासमन्वितः
 यदि दैवान् फलं नास्ति छायाकेन निवार्यते ।
 ② असन्त्र विचित्रे खलु संसारे नास्ति किञ्चिन्निरर्थकम्
 अश्वरचेद् धावेन वीरः भारस्य वहने खरः ।



MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

$$\boxed{\text{योग पूर्व पृष्ठ}} + \boxed{\text{पृष्ठ 8 के अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$

8

प्रश्न क्र - 21

अवकाशार्थी प्रार्थना पत्रम्

प्रतिष्ठायाय,

श्रीमान् प्राचार्यमहोदयः

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयः

इन्दौर नगरम् (म. प्रा.)

विषय - अवकाशार्थी प्रार्थना पत्रं

M

महोदय,

P

सेवायाम् सविनयं निवेदनम् इदं यद्

B

अहं अद्य अकस्माद् ज्वर पीडितः अस्मि।

S

अतः स्व विद्यालयं आगन्तुं सर्वथा

E

असमर्थः अस्मि।

कृपया पञ्चदिवसानां नवदिनाङ्क - त्रयोदशदिनाङ्कः

पर्यन्तम् अवकाशं यक्षन्तुं इति सविनयं

प्रार्थयामि।

सधन्यवादः

भवदीयः शिष्यः

गौरवः

क्र. - दशवी अनुक्रमांक - 02

दिनाङ्क - 08/03/2022



योग पूर्व पृष्ठ

+

५-५ क अंक

=

कुल अंक

9

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र - 22

माध्यांश

उत्तर :-

(i) अस्य अनुच्छेदस्य कृते समुचितं शीर्षकं
- व्यायमस्य महत्त्वम् इति।

(ii) शरीरं धर्मस्य प्रथमं साधनम्।

(iii) परिवृद्धम् उदरं सङ्कोचं गच्छति
मस्तिष्कम् पुनरुत्पन्नं भवति।

(iv) इन्द्रियाणि सुस्थानि स्वस्थानि च भवन्ति।

P.T.O



भाग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 10 के अंक

10

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रं - 23

संस्कृतभाषया निबन्धः :-

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

M

P

B

S

E

संस्कृतभाषा विश्वस्य सर्वाण्युभाषाषु प्राचीनतमा
सर्वोन्नतसाहित्यसंयुक्ता अस्ति । संस्कृता
परिशुद्धा व्याकरणसम्बन्धिदोषादि रहिता
संस्कृतभाषेति निबन्धते । प्राचीन समये
रुषेव भाषा सर्वसाधारणः आसीत् । सर्वे
जनः संस्कृतभाषायामेव वदन्ति स्म ।

रुषा स्व अस्माकं पूर्वजनानां आर्यानां
सुत्यजा, शोभना, गरीमामयी च वाणी, संस्कृतभाषायां
विश्वसाहित्यस्य सर्वप्राचीनग्रन्थः चत्वारो
वेदाः सन्ति । आस - कालिदास - अश्वघोष -
दण्डी - बाण - जयदेव प्रभृत्यो महाकाव्ये
नाटककारः संस्कृतभाषायामेव । जीवनस्य
सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगः भवति ।

अधुनाऽपि सङ्गणस्यकृते
संस्कृतभाषा अति उपयुक्तः अस्ति । संस्कृतभाषा
भारतस्य प्राणमृता भाषा अस्ति राष्ट्रस्य
ऐक्यं च साधयति । भारतीय
गौरवस्य रक्षणाय ऐतस्याः प्रसारः
सर्वैरेव कर्तव्यः । अतएव उच्यते -

संस्कृति संस्कृता श्रिता